an>

Title: Need to launch Skill Devlopment Programmes and create employment opportunities based on agriculture and horticulture in hilly States.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार) ः सम्पूर्ण हिमालीय क्षेत्र सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ दशकों से समूचा पर्वतीय क्षेत्र पलायन की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। अनियंत्रित पलायन से जहां एक ओर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है वहीं दूसरी ओर हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन के प्रयासों को अपूत्याशित क्षति हो रही है। पलायन का मूल कारण पर्वतीय क्षेत्र में रोज़गार के अवसरों की भारी कमी है। मौसम परिवर्तन, मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव तथा समय-समय पर आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र के लोगों की कमर ही तोड़ दी है। केदारनाथ की भयावह त्रासदी और हाल में कश्मीर में आयी जल प्रलाय इसका जीता जागता प्रमाण है।

मैं सरकार से निवेदन करता हँ कि देश और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हिमालय क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उस क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएंÃ¬ उपलब्ध कराने के साथ कौशल विकास के कार्यक्रम चलाएं जो स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हों। पर्वतीय क्षेत्र में कृषि, बागवानी, जड़ी-बूटी तथा कुटीर उद्योग पर आधारित रोज़गार के अवसर सृजित किए जाएं ताकि इस गंभीर समस्या से निज़ात मिल सके।